मंगलवार, 18 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

टीम की सफलता सबसे पहले

Page-04

टीवी भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

OTT पर बजेगी Suspense की घंटी

Page-05

पाकिस्तान की काबुल पर एयरस्ट्राइक

भारी तबाही का दावा; तालिबान ने बताया मानवता के खिलाफ अपराध

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक करने का दावा सामने आया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक अस्पताल भी शामिल है।समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, इस हमले में करीब 400 लोगों की मौत होने और 250 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। हालांकि इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास कई जगहों पर जोरदार धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं, जिससे पूरे शहर में दहशत फैल गई।तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाकर बमबारी की है। तालिबान ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है और कहा है कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। फिलहाल इस मामले पर पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दी सख्त चेतावनी

युद्ध हमने शुरू नहीं किया, लेकिन इसे खत्म हम ही करेंगे

- युद्ध व्यापक संकट बनता जा रहा है।
- वैश्विक तेल आपूर्ति और पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम एशिया इस समय गंभीर युद्ध संकट के दौर से गुजर रहा है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी और बसिज बल के प्रमुख गोलाम रजा सुलेमानी को मार गिराया है। हालांकि ईरान ने अब तक इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।अली लारिजानी को ईरान की रणनीतिक नीतियों का अहम चेहरा माना जाता रहा है। वह राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे और अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी माने जाते थे। वहीं, गोलाम रजा सुलेमानी की भूमिका देश के अंदरूनी सुरक्षा तंत्र में बेहद प्रभावशाली थी।इजराइल ने तेहरान, शिराज और तबरीज जैसे शहरों में भी हमले कर ईरान के सैन्य ठिकानों, मिसाइल भंडार और ड्रोन अड्डों को निशाना बनाया है। इसके जवाब में ईरान ने भी मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है।इस संघर्ष का असर खाड़ी देशों तक फैल चुका है। अबू धाबी और कुवैत में हताहतों की खबरें सामने आई हैं, जबकि दोहा और दुबई में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इससे यह संकेत मिल रहा है कि यह टकराव अब क्षेत्रीय दायरे से आगे बढ़ चुका है।इस बीच अल्बानिया ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव और बढ़ गया है। वहीं चीन ने प्रभावित देशों को मानवीय सहायता देने और तत्काल युद्धविराम की अपील की है।ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका को चेतावनी दी है कि किसी भी जमीनी हस्तक्षेप के गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। कुल मिलाकर, यह संघर्ष अब वैश्विक स्तर पर असर डालने की दिशा में बढ़ रहा है और अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को झेलने पड़ सकते हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अटकी,LPG,

सरकार ने तैयार किया जहाजों का एग्जिट प्लान

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मामले की गंभीरता को देखते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्रालय ने संबंधित एजेंसियों और शिपिंग कंपनियों के साथ समन्वय कर जहाजों को सुरक्षित मार्ग से बाहर निकालने की योजना बनाई है।बताया जा रहा है कि इस एग्जिट प्लान के तहत जहाजों की आवाजाही को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित कॉरिडोर के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि किसी भी तरह के जोखिम से बचा जा सके। साथ ही, वैकल्पिक आपूर्ति मार्गों पर भी विचार किया जा रहा है, जिससे देश में एलपीजी की उपलब्धता प्रभावित न हो।

जेडीयू को बड़ा झटका

केसी त्यागी ने छोड़ी पार्टी

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

बिहार की राजनीति से इस समय एक बड़ी खबर सामने आई है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर के ठीक एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है, जिससे सियासी हलचल तेज हो गई है।सूत्रों के मुताबिक, केसी त्यागी अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। आने वाले समय में उनके किसी नए दल के साथ जुड़ने या नई राजनीतिक पार्टी बनाने की संभावनाएं जताई जा रही हैं।हालांकि, उन्होंने पार्टी छोड़ने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की है।

12,000 छापों में 15,000 से ज्यादा सिलेंडर जब्त

सरकार के मुताबिक, इस कार्रवाई के तहत करीब 12,000 जगहों पर छापेमारी की गई, जिसमें 15,000 से अधिक एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने की कोशिशों को रोकने के लिए उठाया गया है।सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही गैस सिलेंडर खरीदें, ताकि सप्लाई व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

मणिपुर में भूकंप के झटके

विधानसभा की कार्यवाही 5 मिनट के लिए रोकी गई

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मणिपुर में मंगलवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसके चलते विधानसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित हो गई। यह झटके करीब 12:08 बजे महसूस किए गए, उस समय सदन में बजट सत्र चल रहा था।भूकंप के दौरान के. मेघचंद्र जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए 'जल जीवन मिशन' पर प्रस्ताव रख रहे थे।

कंपन महसूस होते ही उन्होंने अपना भाषण बीच में ही रोक दिया।स्थिति को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह ने 60 सदस्यीय सदन की कार्यवाही को 5 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। बाद में हालात सामान्य होने पर सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू कर दी गई।

खाड़ी संकट से कच्चे तेल में उछाल

भारतीय अर्थव्यवस्था पर बढ़ा दबाव

खाड़ी संकट से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे भारतीय तेल कंपनियों का मुनाफा घट रहा है। सरकार चुनावों के चलते 29 अप्रैल तक पेट्रोल-डीजल कीमतें स्थिर रख सकती है, लेकिन आगे बढ़ोतरी तय मानी जा रही है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

खाड़ी क्षेत्र में 28 फरवरी से भड़के संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मचा दी है। कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व तेजी दर्ज की गई है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था और तेल कंपनियों पर गंभीर दबाव बनता दिख रहा है। महज कुछ हफ्तों में कच्चा तेल करीब 93 प्रतिशत महंगा होकर 136.56 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। इस तेज उछाल ने इंडियन ऑयल, एचपीसीएल, बीपीसीएल और रिलायंस जैसी प्रमुख कंपनियों के मुनाफे को बुरी तरह प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने बढ़ती लागत के अनुसार ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि की है, लेकिन भारत में अब तक पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं। इसका सीधा असर तेल कंपनियों की आय पर पड़ा है, जो अपने मुनाफे की कीमत पर उपभोक्ताओं को राहत दे रही हैं। पिछले महीनों में जो लाभ कंपनियों को हुआ था, वह अब घाटे में बदलने लगा है। सरकार फिलहाल कंपनियों को राहत देने के मूड में नहीं दिख रही, क्योंकि वह बजट के राजस्व लक्ष्यों को बनाए रखना चाहती है। ऐसे में 31 मार्च तक किसी बड़े फैसले की संभावना कम मानी जा रही है। राजनीतिक परिस्थितियां भी इस आर्थिक संकट को और जटिल बना रही हैं। चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, जिसके चलते सरकार ईंधन कीमतों में बदलाव से बच रही है। अंतिम चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है, जिसके बाद ही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में संशोधन की संभावना जताई जा रही है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर स्थिति और अधिक चिंताजनक होती जा रही है। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 3.7 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच चुकी हैं। युद्ध के बाद ब्रेंट कच्चे तेल में 40 प्रतिशत से अधिक और रूस के यूराल्स कच्चे तेल में 50 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत के लिए यह झटका इसलिए भी बड़ा है क्योंकि ओमान, दुबई और ब्रेंट के दाम 26 फरवरी को 70.9 डॉलर प्रति बैरल थे, जो 12 मार्च तक 127.2 डॉलर और फिर 136.5 डॉलर तक पहुंच गए।इस संकट की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधित आपूर्ति मानी जा रही है। ईरान द्वारा इस अहम मार्ग को अवरुद्ध किए जाने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है, जबकि भारत की लगभग 60 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतें इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में भारत पर इसका असर कई गुना अधिक पड़ रहा है। जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही सामान्य नहीं होती, तब तक कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बनी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने हालात को नियंत्रित करने के लिए अपने भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का निर्णय लिया है, जिससे कुछ राहत मिली है, लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहती हैं, तो भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ सकता है। इससे व्यापार घाटा करीब 80 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 2.1 प्रतिशत होगा। इसके अलावा, चालू खाता घाटा भी बढ़ने की आशंका है, जिससे रुपये पर दबाव और महंगाई में तेजी आ सकती है।कुल मिलाकर, यह संकट भारत के लिए बहुआयामी चुनौती बनकर उभरा है। आने वाले समय में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी, महंगाई और आर्थिक दबाव से निपटना सरकार और उद्योग दोनों के लिए बड़ी परीक्षा होगी।

बलूचिस्तान में बीएलए के सिलसिलेवार हमलों का दावा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बलूचिस्तान में बीएलए के सिलसिलेवार हमलों का दावा, कई सैन्य ठिकानों को बनाया निशानाबलूचिस्तान में सक्रिय उग्रवादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 14 से 16 मार्च के बीच क्षेत्र में कई समन्वित हमले करने का दावा किया है। संगठन के मीडिया विंग 'हक्कल' द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इन तीन दिनों के दौरान पाकिस्तानी सेना के काफिलों और ठिकानों को अलग-अलग स्थानों पर निशाना बनाया गया।बीएलए के अनुसार, पहला हमला 14 मार्च को खारान जिले के गरूक इलाके में हुआ, जहां उसके लड़ाकों ने रॉकेट और भारी हथियारों से पाकिस्तानी सेना के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया। संगठन का दावा है कि इस हमले में कम से कम छह सैन्य वाहन क्षतिग्रस्त हुए, 14 सैनिक मारे गए और दस से अधिक घायल हुए।समूह ने यह भी बताया कि इससे एक दिन पहले उसी क्षेत्र में एक सैन्य चौकी के लिए खाद्य सामग्री ले जा रहे ट्रक को रोका गया था। बाद में वाहन को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि चालक दल को बिना नुकसान के छोड़ दिया गया, जिसे बीएलए ने अपनी नीति के अनुरूप बताया।15 मार्च को बीएलए ने तुरबत हवाई अड्डे पर स्थित एक सैन्य अड्डे और जेट ईंधन भंडारण सुविधा को निशाना बनाने का दावा किया। बयान के अनुसार, इस हमले में ग्रेनेड लॉन्चर का इस्तेमाल किया गया, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।इसी दिन, संगठन ने ग्वादर जिले के जिवानी क्षेत्र के पनवान इलाके में तटरक्षक चौकी पर हमले की भी जिम्मेदारी ली। बीएलए के मुताबिक, हमले से पहले उसके लड़ाकों ने वेश बदल लिया था, जिससे उन्हें चौकी के करीब पहुंचने में मदद मिली। इस हमले में नायक सलीम, सिपाही अदनान राव और सिपाही अजीम सहित तीन तटरक्षक कर्मियों के मारे जाने का दावा किया गया है। साथ ही चौकी से हथियार और गोला-बारूद जब्त करने की बात भी कही गई है।

ब्रुसेल्स में एस. जयशंकर का स्पष्ट संदेश

पश्चिम एशिया संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से

ईरान का अमेरिका पर पलटवार

'जंग मैदान में जीती जाती है, सोशल मीडिया पर नहीं'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि युद्ध का फैसला सोशल मीडिया पर नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धक्षेत्र में होता है।इब्राहिम ज़ोल्फ़ागरी ने अमेरिकी सैन्य अभियान के नाम 'एपिक फ्यूरी' पर भी तंज कसते हुए कहा कि इसे 'एपिक फियर' कहना अधिक उचित होगा। उन्होंने अमेरिका की रणनीति और बयानबाजी को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल ऑनलाइन बयान देने से युद्ध नहीं जीते जाते, बल्कि असली जीत जमीनी अभियानों से हासिल होती है। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान किसी भी संभावित हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि देश की सशस्त्र सेनाएं हर स्थिति से निपटने के लिए सतर्क हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल के साथ ईरान के संबंधों में तनाव लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान संभावित जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है,

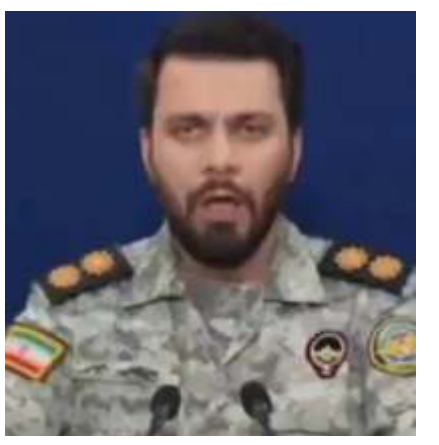

जिसे कुछ अधिकारियों ने अंतिम चरण में बताया है।विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों पक्षों की बढ़ती बयानबाजी ने क्षेत्र में पहले से ही मौजूद तनाव को और अधिक गंभीर बना दिया है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि पश्चिम एशिया की स्थिति पहले ही संवेदनशील बनी हुई है। ईरान के इस सख्त रुख से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में क्षेत्रीय हालात और अधिक तनावपूर्ण हो सकते हैं, यदि कूटनीतिक प्रयासों से स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया।

ईरान में युद्ध से हाहाकार

महंगाई चरम पर, सीमा खुलते ही पलायन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष अब गहरे मानवीय संकट में बदलता जा रहा है। महज अठारह दिनों के भीतर हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो गए हैं, जबकि हजारों नागरिक जान बचाने के लिए सीमाएं पार करने को मजबूर हैं। उत्तरी इराक के हाजी ओमेरान सीमा बिंदु पर बड़ी संख्या में ईरानी नागरिकों की भीड़ इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। रविवार को सीमा खुलते ही लोग इराक की ओर उमड़ पड़े। ये लोग सैर या व्यापार के लिए नहीं, बल्कि सस्ते राशन, इंटरनेट सुविधा और रोजगार की तलाश में आ रहे हैं। लगातार हवाई हमलों और महंगाई ने आम नागरिकों की स्थिति को बेहद दयनीय बना दिया है। ईरान में चावल, तेल और अन्य जरूरी वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। कई लोग केवल अपने परिजनों से संपर्क करने के लिए सीमा पार कर रहे हैं, क्योंकि देश में इंटरनेट सेवाएं लगभग ठप हैं। इराकी क्षेत्र में आवश्यक सामान से भरे ट्रक ईरानी नागरिकों के लिए राहत का जरिया बन रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अब तक 32 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। युद्ध के कारण सुरक्षा ढांचा भी कमजोर पड़ा है और हजारों नागरिक स्थलों को नुकसान पहुंचा है। पड़ोसी देशों जैसे इराक, तुर्की और पाकिस्तान पर शरणार्थियों का दबाव बढ़ने की आशंका है।

इजरायली हमलों में अली लारीजानी के मारे जाने का दावा

ईरानी नेतृत्व पर गहराया संकट

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इजरायल ने मंगलवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि ईरान की सुरक्षा रणनीति का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ नेता अली लारीजानी इजरायली हवाई हमलों में मारे गए हैं। यह जानकारी इजरायल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज़ ने दी। हालांकि, इस दावे पर ईरान की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।इजरायल के इस दावे से पहले ही ईरानी नेतृत्व को भारी झटका लग चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्ष के पहले ही दिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। वहीं उनके संभावित उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई के कोमा में होने और गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आ रही हैं। इसके अलावा, एक अन्य वरिष्ठ कमांडर गुलामरेज़ा सुलेमानी भी सोमवार रात इजरायली हमलों में मारे जाने की बात कही जा रही है।मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं होने के बीच 67 वर्षीय अली लारीजानी को ईरान में दूसरे सबसे प्रभावशाली नेता के रूप में देखा जा रहा था। वे संक्रमणकालीन परिषद के साथ मिलकर देश के प्रशासनिक और सुरक्षा मामलों में अहम भूमिका निभा रहे थे। लारीजानी इससे पहले अमेरिका के साथ परमाणु वार्ताओं का नेतृत्व कर चुके थे और उन्हें खामेनेई का करीबी सहयोगी माना जाता था।दिलचस्प बात यह है कि इजरायल की इस घोषणा के समय ही लारीजानी के आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट से एक हस्तलिखित संदेश पोस्ट किया गया, जिसमें उन्होंने 4 मार्च को अमेरिकी पनडुब्बी हमले में मारे गए ईरानी नौसैनिकों को श्रद्धांजलि दी थी। इससे इस घटनाक्रम को लेकर और अधिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है।लारीजानी को आखिरी बार 13 मार्च को तेहरान में एक रैली के दौरान देखा गया था, जहां वे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन के साथ मौजूद थे। उसी दिन अमेरिका ने लारीजानी समेत कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों के बारे में सूचना देने वालों

के लिए 10 मिलियन डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। गौरतलब है कि अली लारीजानी को ईरानी शासन का एक शांत और व्यावहारिक चेहरा माना जाता था। संघर्ष शुरू होने के बाद उन्होंने अमेरिका और इजरायल को "अविस्मरणीय सबक" सिखाने की चेतावनी दी थी। यदि उनकी मौत की पुष्टि होती है, तो यह ईरान के लिए एक बड़ा राजनीतिक और रणनीतिक झटका साबित हो सकता है।

संपादक की कलम से

देश में लगातार बढ़ती महंगाई आज आम नागरिक के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक बन चुकी है। चाहे खाद्य पदार्थ हों, ईंधन हो या रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं—हर क्षेत्र में कीमतों में हो रही वृद्धि ने लोगों के बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है। मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए जीवन यापन दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है।महंगाई का सीधा असर आम आदमी की क्रय शक्ति पर पड़ता है। जब आय स्थिर रहती है और खर्च बढ़ता जाता है, तो परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है। पहले जो चीजें सामान्य जीवन का हिस्सा थीं, अब वे कई लोगों के लिए विलासिता बनती जा रही हैं। रसोई का बजट बिगड़ चुका है, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करना मुश्किल होता जा रहा है।महंगाई के कई कारण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, प्राकृतिक आपदाएं और घरेलू आर्थिक नीतियां—ये सभी कारक मिलकर स्थिति को जटिल बनाते हैं। इसके अलावा, जमाखोरी और कालाबाजारी जैसी समस्याएं भी महंगाई को बढ़ावा देती हैं, जिससे आम उपभोक्ता को और अधिक नुकसान उठाना पड़ता है।सरकार समय-समय पर महंगाई को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाती है, जैसे ब्याज दरों में बदलाव, सब्सिडी प्रदान करना और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना। हालांकि, इन उपायों का प्रभाव अक्सर सीमित या अस्थायी होता है। जरूरत इस बात की है कि दीर्घकालिक और ठोस रणनीतियां बनाई जाएं, जो उत्पादन को बढ़ावा दें और बाजार में स्थिरता लाएं। इसके साथ ही, रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी अत्यंत आवश्यक है। यदि लोगों की आय में वृद्धि होगी, तो वे महंगाई के प्रभाव को बेहतर ढंग से सहन कर सकेंगे। छोटे और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देकर और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाकर अर्थव्यवस्था को संतुलित किया जा सकता है। आम नागरिकों को भी अपनी वित्तीय योजना पर ध्यान देना होगा। अनावश्यक खर्चों से बचना, बचत को प्राथमिकता देना और निवेश के सुरक्षित विकल्पों की तलाश करना वर्तमान समय की आवश्यकता बन गया है। हालांकि, यह भी सच है कि केवल व्यक्तिगत प्रयासों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

बंगाल चुनाव में सियासी संग्राम तेज

टीएमसी-भाजपा ने उम्मीदवारों की सूची जारी, भवानीपुर बनी हाई-प्रोफाइल सीट

पश्चिम बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 291 और भारतीय जनता पार्टी ने 144 उम्मीदवार घोषित किए। ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। दोनों दलों ने जीत का दावा किया है, जबकि चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों की अपनी सूची जारी कर दी है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर कोलकाता की भवानीपुर सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगी। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और इस चुनाव को "बंगाल के अस्तित्व की लड़ाई" बताया।ममता बनर्जी ने कहा कि यह चुनाव राज्य की पहचान और सम्मान को बचाने का संघर्ष है और इसमें बंगाल की जनता की जीत होगी। उन्होंने दावा किया कि इस बार टीएमसी 226 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी टिप्पणी करते हुए उसे "मेघनाद" कहकर कटाक्ष किया और पूरक सूची को लेकर सवाल उठाए। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी इस बार उम्मीदवारों के चयन में युवा नेताओं और नए चेहरों को प्राथमिकता दी गई है। पार्टी नेतृत्व, विशेषकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, ने उभरते नेताओं को मौका देने की रणनीति अपनाई है। लंबे समय से चल रही अटकलों के बाद आखिरकार उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई, जिससे सस्पेंस खत्म हो गया।वहीं, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अपनी पहली सूची जारी करते हुए 144 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। भाजपा ने भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।भाजपा की सूची के अनुसार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से टिकट दिया गया है। इसके अलावा बिमान महतो को सालबनी, स्वपन दासगुप्ता को रासबिहारी, सुमिता सिन्हा को कांथी उत्तर, बिमान घोष को पुरसुराह और माधवी महलदर को कुलतली से उम्मीदवार बनाया गया है। अनिमा दत्ता को नदिया जिले के पलाशीपाड़ा और लक्षिकांत साहू को झाड़ग्राम सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने 2021 के उपचुनाव में भवानीपुर सीट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले विधानसभा चुनाव में उन्हें नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए उनका भवानीपुर से जीतना आवश्यक हो गया था। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को कराया जाएगा। मतगणना 4 मई को होगी। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और सभी दल जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। प्रशासन और चुनाव आयोग की ओर से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, जबकि राजनीतिक दल लगातार जनसभाएं और रैलियां कर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में जुटे हैं।

लोकसभा ने रद्द किया 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन, नियमों के पालन की दी चेतावनी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा ने मंगलवार को ध्वनि मत से विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया। यह प्रस्ताव संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने पेश किया, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। यह फैसला तब लिया गया जब कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने संबंधित सांसदों की ओर से अनजाने में हुई गलती पर खेद जताया। समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया।गौरतलब है कि 3 फरवरी को बजट सत्र के पहले चरण में अनुशासनहीन व्यवहार के आरोप में सात कांग्रेस और एक माकपा सांसद को निलंबित किया गया था। इन सांसदों पर सदन में पोस्टर और तख्तियां लाने तथा उन्हें प्रदर्शित करने का आरोप था, जो नियमों के विरुद्ध है।इस बीच, लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के आचरण को लेकर एक बुलेटिन जारी कर सख्त निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि सांसदों को दिशानिर्देश 124ए(2)(3) सहित सभी नियमों का पालन करना होगा। संसद परिसर में पोस्टर, झंडे, हथियार, लाठी, भाला, तलवार, डंडे और ईंट जैसी वस्तुएं लाना प्रतिबंधित है। साथ ही परिसर में मार्गों को अवरुद्ध करने वाली गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है।कांग्रेस ने पहले इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए अध्यक्ष ओम बिरला से निलंबन वापस लेने की मांग की थी। निलंबित सांसदों में मणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और माकपा के एस. वेंकटेशन शामिल थे, जो निलंबन के बाद से संसद परिसर में धरना दे रहे थे।निलंबन रद्द होने के बाद अब इन सांसदों के लिए सदन की कार्यवाही में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, सरकार ने भविष्य में नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

गठबंधन की अटकलों पर विराम

टीवीके ने NDA में शामिल होने की खबरों को बताया झूठा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने एआईएडीएमके और भाजपा के साथ संभावित गठबंधन की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी और अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी। टीवीके की ओर से यह प्रतिक्रिया उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया था कि पार्टी को भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने के लिए उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ 50 से 70 सीटों की पेशकश की गई है। हालांकि, पार्टी ने इन सभी खबरों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है।सोमवार रात को पट्टिनापक्कम में आयोजित पार्टी कार्यकारियों की बैठक में विजय ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि टीवीके ने किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन को लेकर कोई बातचीत नहीं की है। उन्होंने भरोसे के साथ कहा कि पार्टी अपने पहले विधानसभा चुनाव में अकेले दम पर उतरेगी और पूरे राज्य में सक्रिय रूप से प्रचार अभियान चलाएगी। विजय ने बैठक में कहा कि पार्टी के उम्मीदवारों की सूची जल्द जारी की जाएगी और वे स्वयं पूरे तमिलनाडु का दौरा करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर काम करने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि पार्टी चुनाव में जीत हासिल करेगी। उनके इस ऐलान के साथ ही राज्य में संभावित चार-कोणीय मुकाबले की स्थिति बनती नजर आ रही है। इस बीच, टीवीके के संयुक्त महासचिव और मुख्य प्रवक्ता सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने भी एक बयान जारी कर कहा कि पार्टी की ओर से किसी भी राजनीतिक दल या नेता के साथ गठबंधन को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कांग्रेस समेत अन्य दलों के साथ जोड़कर इस तरह की अफवाहें फैलाई गई थीं, जो बाद में गलत साबित हुईं। निर्मल कुमार ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल, विशेषकर डीएमके के सदस्य, जनता के बीच भ्रम

फैलाने के उद्देश्य से इस तरह की झूठी खबरें प्रचारित कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता से अपील की कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। टीवीके के इस स्पष्ट रुख के बाद तमिलनाडु की सियासत में नई हलचल तेज हो गई है और आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं।

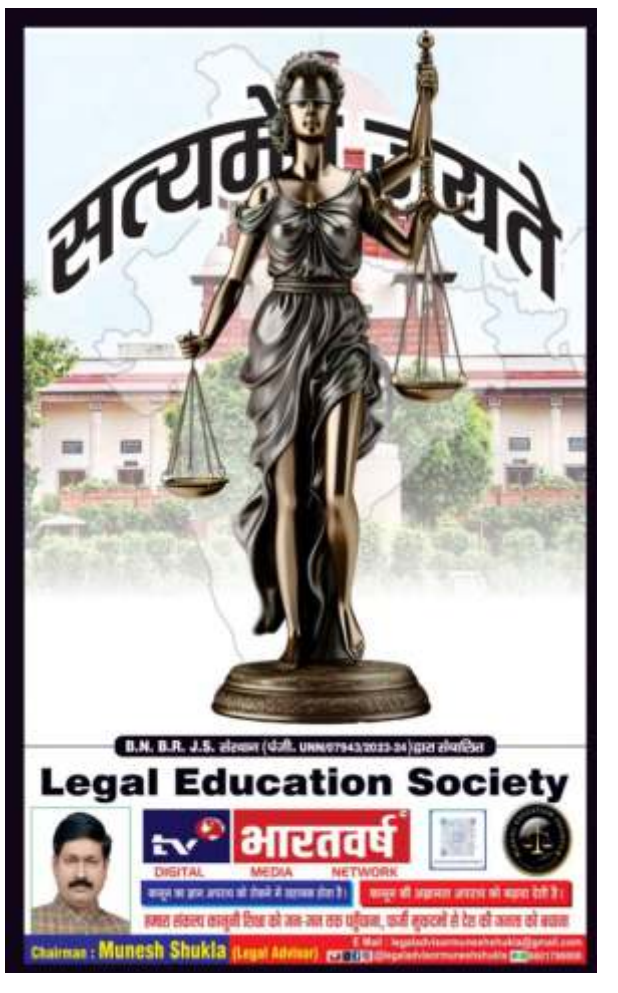

शेयर बाजार में तेजी के बीच दीर्घकालिक निवेश की अहमियत

म्यूचुअल फंड ने दिखाया मजबूत प्रदर्शन

मंगलवार को भारतीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स में 939 अंकों की बढ़त के बाद मंगलवार को भी यह 568 अंक यानी 0.75 प्रतिशत चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,581.15 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले बाजार में लगातार तीन सत्रों तक गिरावट देखने को मिली थी, जिससे रिटेल निवेशकों में चिंता का माहौल बन गया था।ऐसे उतार-चढ़ाव भरे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकालिक गिरावट से घबराने के बजाय निवेशकों को दीर्घकालिक रणनीति अपनानी चाहिए। विशेष रूप से म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना अधिक रहती है। इसका एक प्रमुख उदाहरण आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी एंड डेट फंड है, जिसने समय के साथ निवेशकों को उल्लेखनीय लाभ दिया है।इस फंड की शुरुआत 3 नवंबर 1999 को हुई थी। यदि किसी निवेशक ने उस समय इसमें एक लाख रुपये का निवेश किया होता, तो 28 फरवरी 2026 तक उसकी राशि बढ़कर लगभग 40.70 लाख रुपये हो गई होती। यह लगभग 15.11 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (CAGR) को दर्शाता है। यह आंकड़ा इस बात को स्पष्ट करता है कि दीर्घकालिक निवेश बाजार की अस्थिरता के बावजूद मजबूत रिटर्न दे सकता है। हाल के वर्षों में भी इस फंड का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। तीन और पांच वर्षों की अवधि में इसने क्रमशः 19.53 प्रतिशत और 18.87 प्रतिशत की सीएजीआर रिटर्न प्रदान किया है। तुलना के लिए, इसके बेंचमार्क CRISIL हाइब्रिड 35+65 – एग्रेसिव इंडेक्स ने इसी अवधि में क्रमशः 14.12 प्रतिशत और 11.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इससे स्पष्ट है कि फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के माध्यम से निवेश करने वाले निवेशकों को भी इस फंड ने शानदार रिटर्न दिया है। यदि किसी निवेशक ने शुरुआत से हर महीने 1,000 रुपये का निवेश किया होता, तो आज उसका पोर्टफोलियो लगभग 4.02 करोड़ रुपये का हो गया होता, जबकि कुल निवेश राशि केवल 31.6 लाख रुपये होती। कम अवधि में भी SIP के माध्यम से निवेश पर बेहतर रिटर्न देखने को मिला है, जहां तीन और पांच वर्षों में क्रमशः 11.85 प्रतिशत और 18.15 प्रतिशत की सीएजीआर प्राप्त हुई है।यह फंड एक ओपन-एंडेड आक्रामक हाइब्रिड स्कीम है, जो इक्विटी और फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज दोनों में निवेश करती है। सामान्यतः यह 65 से 80 प्रतिशत तक इक्विटी और 20 से 35 प्रतिशत तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करता है। इस संतुलित निवेश रणनीति के कारण निवेशकों को जहां एक ओर इक्विटी बाजार की वृद्धि का लाभ मिलता है, वहीं दूसरी ओर डेट निवेश से स्थिरता और नियमित आय भी प्राप्त होती है। शिक्षकों और शिक्षाविदों के लिए यह उदाहरण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वित्तीय साक्षरता और दीर्घकालिक योजना के महत्व को दर्शाता है। छात्रों को निवेश के सिद्धांत सिखाते समय इस तरह के वास्तविक उदाहरण उन्हें बाजार की अस्थिरता को समझने और धैर्यपूर्वक निवेश करने की प्रेरणा दे सकते हैं।

काबुल अस्पताल पर कथित हवाई हमले की राशिद खान ने की निंदा, बताया 'युद्ध अपराध'

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर और पूर्व कप्तान राशिद खान ने काबुल के एक अस्पताल पर हुए कथित पाकिस्तानी हवाई हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। इस हमले में मरने वालों की संख्या 400 तक पहुंचने की खबरों के बीच राशिद ने इसे 'युद्ध अपराध' करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की मांग की है।राशिद खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक भावुक और सख्त संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि आम नागरिकों के घरों, शिक्षण संस्थानों और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना, चाहे जानबूझकर हो या गलती से, एक गंभीर युद्ध अपराध है। उन्होंने विशेष रूप से रमज़ान के पवित्र महीने में इस तरह की घटना को बेहद चिंताजनक और अमानवीय बताया।उन्होंने आगे कहा कि ऐसी घटनाएं केवल नफरत और फूट को बढ़ावा देती हैं। राशिद ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकार संगठनों से अपील की कि वे इस मामले की निष्पक्ष जांच करें और दोषियों को सजा दिलाने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में वह अपने अफगान नागरिकों के साथ खड़े हैं और देश इस दुख से उबरकर फिर मजबूती से खड़ा होगा।इस घटना पर अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि काबुल के एक अस्पताल में "उम्मीदें बुझ गईं", जहां इलाज के लिए आए कई युवाओं की बमबारी में मौत हो गई। उन्होंने इस घटना को बेहद दर्दनाक बताया। वहीं, पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पाकिस्तान का कहना है कि हवाई हमला आम नागरिकों पर नहीं, बल्कि आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया था।

महिला वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना ने

बरकरार रखा नंबर-1 ताज

कमिंस की फिटनेस पर सस्पेंस

SRH की कप्तानी के लिए ईशान किशन सबसे आगे

आईपीएल 2026 सीजन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता के चलते भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन इस भूमिका के लिए सबसे प्रबल दावेदार बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, एसआरएच प्रबंधन ने इस मुद्दे पर विचार-विमर्श कर लिया है और कमिंस की अनुपस्थिति में किशन को कप्तानी के लिए 'सबसे उपयुक्त उम्मीदवार' माना गया है।पैट कमिंस 2025-26 एशेज सीरीज के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे और तब से मैदान से दूर हैं। फ्रेंचाइजी के पास उनकी वापसी को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं है, जिससे टीम को वैकल्पिक नेतृत्व पर विचार करना पड़ा है। ऐसे में ईशान किशन का नाम सबसे आगे आया है, जिन्होंने हाल ही में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अहम अर्धशतक जड़कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।कप्तानी की दौड़ में अभिषेक शर्मा का नाम भी शामिल था, जो पिछले सात सीजन से सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। हालांकि, अनुभव और नेतृत्व क्षमता के मामले में किशन ने बढ़त बनाई है। अभिषेक जहां घरेलू क्रिकेट में पंजाब की कप्तानी करते हैं, वहीं किशन का झारखंड के साथ नेतृत्व रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली रहा है।ईशान किशन ने झारखंड की कप्तानी करते हुए टीम को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया। इस टूर्नामेंट में उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी शानदार रहा, जहां उन्होंने 197.32 के स्ट्राइक रेट से 517 रन बनाए। हरियाणा के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 51 गेंदों पर शतक जड़कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।पूर्व भारतीय क्रिकेटर शाहबाज नदीम, जिन्होंने किशन को कम उम्र से करीब से देखा है, उन्हें एक स्वाभाविक नेता मानते हैं। ऐसे में यदि कमिंस समय पर फिट नहीं हो पाते हैं, तो आईपीएल 2026 की शुरुआत में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान ईशान किशन के हाथों में सौंपी जा सकती है।

पढ़ाई में नहीं चमके, लेकिन क्रिकेट में '80 प्रतिशत'

हासिल कर खुश हैं सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भले ही पढ़ाई के दौरान कभी ऊंचे अंक हासिल नहीं किए, लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने शानदार सफलता दर्ज करते हुए 80 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बना लिया है। उनकी अगुवाई में भारत ने हाल ही में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, जिससे टीम की मजबूती और नेतृत्व क्षमता का परिचय मिला।सूर्यकुमार यादव ने 2024 में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी और तब से लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने अब तक 52 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से 42 में जीत हासिल की है। इस तरह उनकी जीत का प्रतिशत लगभग 80 रहा है, जिसे लेकर वह खुद भी काफी उत्साहित हैं।इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए सूर्यकुमार ने कहा, "मुझे लगता है कि स्कूल और कॉलेज में जो प्रतिशत मैं हासिल नहीं कर पाया, वह अब क्रिकेट में मिल रहा है। वहां मैं कभी 50-60 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन यहां 80 प्रतिशत सुनकर बहुत अच्छा लगता है।" हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते, लेकिन जीत उन्हें हमेशा पसंद है। सूर्यकुमार के पिता अशोक कुमार यादव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे। बावजूद इसके, सूर्यकुमार का झुकाव बचपन से ही पढ़ाई के बजाय क्रिकेट की ओर रहा। उन्होंने बताया कि परिवार ने शुरुआत में उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया, लेकिन बाद में उनकी रुचि को समझते हुए पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा, "मेरे परिवार ने मुझे पढ़ाई में अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया, लेकिन जल्द ही उन्हें समझ में आ गया कि मेरी दिलचस्पी क्रिकेट में है। इसके बाद उन्होंने मुझे खेल में आगे बढ़ने के लिए पूरी आजादी दी।

टीम की सफलता सबसे पहले,

निजी उपलब्धियां बाद में: संजू सैमसन

भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने सोमवार को कहा कि मौजूदा भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा सामूहिक सफलता को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने इसे ड्रेसिंग रूम में टीम के नेतृत्व समूह द्वारा अपनाई गई एक अहम रणनीति बताया, जिसने टीम के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।टी20 विश्व कप में 'टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' रहे सैमसन ने संवाददाताओं से बातचीत में स्पष्ट किया कि टीम के भीतर व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाने की बजाय मैच जीतने पर अधिक जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा, "अब हर कोई इसी तरह सोच रहा है। यह हमारे कप्तान और कोच द्वारा ड्रेसिंग रूम में सोच-समझकर लिया गया फैसला था। नेतृत्व समूह लगातार यही संदेश देता है कि टीम सबसे पहले है और व्यक्तिगत उपलब्धियां उसके बाद आती हैं। "सैमसन ने बताया कि इस सोच को खिलाड़ियों के बीच लगातार दोहराया गया, जिससे यह हर खिलाड़ी की मानसिकता का हिस्सा बन गई। उन्होंने कहा, "यह बात धीरे-धीरे हर खिलाड़ी के मन में बैठ गई और हमने हर मैच में उसी अनुसार खेलना शुरू कर दिया।" उनके अनुसार, यही टीम की एकजुटता और सफलता का मुख्य आधार है।उन्होंने अपने क्रिकेट करियर के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह हमेशा खुद के प्रति ईमानदार रहने में विश्वास करते हैं और मानते हैं कि टीम की सफलता में योगदान देना ही एक खिलाड़ी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। केरल में जन्मे इस खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने कम उम्र से ही क्रिकेट को एक टीम गेम के रूप में देखा है। सैमसन ने कहा, "अंडर-13 के दिनों से लेकर आज तक, जब भी मैंने केरल के लिए खेला, मैंने क्रिकेट को हमेशा एक टीम खेल के तौर पर ही देखा है। हम जीतने के लिए खेलते हैं और उस जीत के लिए जो भी प्रयास किया जाता है, उसका फायदा सबसे पहले टीम को होना चाहिए।"उन्होंने एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में अपनी जिम्मेदारी पर भी बात की, जो केरल जैसे राज्य से आकर राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा है। सैमसन ने कहा कि कई युवा खिलाड़ी उनके करियर को करीब से देखते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं।

ईरान झुकने को तैयार नहीं, IRGC ने जारी किया 'मिसाइल सिटी' का वीडियो

सुरंगों में ड्रोन का ज़खीरा देख दुनिया हैरान

ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने अपनी ड्रोन ताकत का प्रदर्शन किया है. IRGC द्वारा जारी एक वीडियो में भूमिगत सुरंग में रखे शाहेद ड्रोन का बड़ा जखीरा दिखाई देता है.

ये है ईरान का शाहेद-136 ड्रोन जिसने जंग की परिभाषा ही बदल दी है. (Photo: IRGC)

अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे सैन्य तनाव के बीच ईरान ने अपनी ताकत का एक और प्रदर्शन किया है. ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें हमलावर ड्रोन और यूएवी का बड़ा जखीरा एक विशाल भूमिगत सुरंग में रखा हुआ दिखाई देता है.

यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी हुई है. वीडियो देखकर ऐसा लगता है कि ईरान के पास अभी भी बड़ी मात्रा में हथियार मौजूद हैं. विश्लेषकों का मानना है कि इससे संकेत मिलता है कि ईरान झुकने के मूड में नहीं है और यह संघर्ष अभी लंबा चल सकता है. इस टकराव के दौरान ईरान ने इजरायल और खाड़ी क्षेत्र की ओर कम लागत वाले 'शाहेद' ड्रोन भी भेजे हैं.

बताया जा रहा है कि इन ड्रोन का निशाना सैन्य ठिकाने और ऊर्जा से जुड़े ढांचे रहे हैं. विशेषज्ञों के मुताबिक इन ड्रोन को इस्तेमाल करना आसान होता है, लेकिन इन्हें जमीन पर पूरी तरह नष्ट करना मुश्किल होता है. यही वजह है कि ईरान इनका बार-बार इस्तेमाल कर रहा है.

वीडियो में सुरंग के अंदर कई ड्रोन लाइन में खड़े दिखाई देते हैं. कुछ ड्रोन लॉन्चर पर लगे हुए हैं, जबकि कुछ स्टैंड पर रखे हुए हैं. सुरंग के अंदर नारंगी-लाल रोशनी में ये ड्रोन साफ दिखाई देते हैं. दीवारों पर ईरानी झंडे और कुछ सैन्य उपकरण भी नजर आते हैं.

यह फुटेज ईरान के सरकारी मीडिया प्रेस टीवी ने शेयर किया है. उनका कहना है कि यह IRGC के ड्रोन हथियारों के भंडार का एक हिस्सा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुरंग ईरान की तथाकथित "मिसाइल सिटी" या किसी भूमिगत सैन्य ठिकाने का हिस्सा हो सकती है. ईरान पहले भी ऐसे ठिकानों का खुलासा कर चुका है. ⊙

5 राउंड इंटरव्यू के बाद मिली जॉब झटके में गई

कनाडा की एक फिनटेक स्टार्टअप कंपनी में एक कर्मचारी को नौकरी जॉइन करने के सिर्फ दो हफ्ते बाद ही निकाल दिया गया. बताया जा रहा है कि कर्मचारी ने ईमेल के ड्राफ्ट में व्याकरण की गलती कर दी थी, जिसकी वजह से कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कर्मचारी को नौकरी मिलने से पहले पांच राउंड के इंटरव्यू देने पड़े थे. सभी इंटरव्यू पास करने के बाद कंपनी के सह-संस्थापक उसकी प्रोफाइल से काफी प्रभावित हुए और अगले ही दिन उसे जॉब ऑफर मिल गया. ⊙

मंत्रालय की सख्त एडवाइजरी जारी

असुरक्षित जार में पेट्रोल लिया तो खैर नहीं

सोशल मीडिया पर तमिलनाडु के एक पेट्रोल पंप का वीडियो वायरल होने के बाद पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है. वीडियो में एक व्यक्ति बड़े प्लास्टिक के पानी वाले जार में पेट्रोल भरवाता हुआ दिखाई दे रहा था. इस घटना के सामने आने के बाद मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल या डीजल को ढीले या असुरक्षित कंटेनरों में न लें और न ही स्टोर करें, क्योंकि इससे गंभीर सुरक्षा खतरे पैदा हो सकते हैं. मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि देशभर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है. इसलिए लोगों को किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान देने या घबराकर ईंधन जमा करने की जरूरत नहीं है. मंत्रालय के अनुसार, तमिलनाडु के जिस पेट्रोल पंप का वीडियो सामने आया था, वहां ढीले कंटेनर में पेट्रोल दिया जा रहा था, जो सुरक्षित नहीं माना जाता और ऐसा करना उचित नहीं है. ⊙

थाईलैंड में बिजली बचाने की अनोखी मुहिम

लाइव टीवी पर एंकर्स ने उतारी जैकेट

थाईलैंड में इन दिनों टीवी चैनलों पर एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है. यहां न्यूज एंकर लाइव प्रसारण के दौरान कैमरे के सामने अपनी जैकेट (सूट) उतार रहे हैं. दरअसल इसका मकसद लोगों को चौंकाना नहीं, बल्कि उन्हें बिजली बचाने का संदेश देना है. देश इस समय गंभीर ईंधन और ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है. अधिकारियों के मुताबिक थाईलैंड के पास फिलहाल लगभग 95 दिनों का ही ऊर्जा भंडार बचा है. ऐसे में सरकार और प्रशासन लोगों से बिजली की खपत कम करने की अपील कर रहे हैं. इसी अभियान के तहत टीवी एंकर भी लोगों को उदाहरण देकर समझाने की कोशिश कर रहे हैं. एक वीडियो में तीन न्यूज एंकर लाइव कार्यक्रम के दौरान अपनी जैकेट उतारते हुए नजर आते हैं. उन्होंने कहा कि अगर लोग हल्के कपड़े पहनेंगे तो एसी कम चलाने की जरूरत पड़ेगी और बिजली की बचत होगी. एंकर ने कहा- चलिए हम भी जैकेट उतार देते हैं, ताकि ऊर्जा बचाने का उदाहरण पेश कर सकें. जो लोग बहुत ठंडा एसी चलाने के आदी हैं, वे अब सरकार द्वारा सुझाए गए तापमान 26-27 डिग्री पर एसी सेट कर सकते हैं."ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सरकार ने कई उपाय शुरू किए हैं. सरकारी कर्मचारियों को घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने का आदेश दिया गया है. ⊙

सरकार ने वर्क फ्रॉम होम, सूट-टाई छोड़ने और बिजली की खपत कम करने की सलाह दी है. (Photo: Reuters)

OTT पर बजेगी सस्पेंस की घंटी

'24 सीजन 3' के साथ लौट रहे अनिल कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर एक बार फिर अपने लोकप्रिय टीवी शो 24 के तीसरे सीजन में नजर आने वाले हैं। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद वह एटीयू (एंटी टेररिस्ट यूनिट) चीफ जय सिंह राठौड़ के किरदार में वापसी करेंगे। इस खबर की पुष्टि खुद अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर की है, जिससे उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।दरअसल, एक फैन ने अनिल कपूर से उनकी आगामी फिल्म 'सूबेदार' को लेकर पोस्ट किया था, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने '24 सीजन 3' को लेकर बड़ा खुलासा कर दिया। उन्होंने संक्षिप्त लेकिन स्पष्ट शब्दों में लिखा, "जल्द आ रहा हूं, 24 के साथ।" इस एक लाइन ने ही दर्शकों के बीच शो की वापसी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।गौरतलब है कि '24' भारतीय टेलीविजन पर एक अलग तरह का प्रयोग था, जो इसी नाम की अमेरिकी सीरीज 24 का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण है। इसका पहला सीजन साल 2013 में प्रसारित हुआ था, जबकि दूसरा सीजन 2016 में ऑन-एयर हुआ। दोनों ही सीजन को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।इस सीरीज की खास बात इसका रियल-टाइम फॉर्मेट है, जिसमें कहानी 24 घंटों की अवधि में घटित होती है और हर एपिसोड एक घंटे की घटनाओं को दर्शाता है। शो में अनिल कपूर द्वारा निभाया गया जय सिंह राठौड़ का किरदार एटीयू का प्रमुख होता है, जो देश को आतंकवादी खतरों से बचाने के लिए समय के खिलाफ जंग लड़ता है। इस दौरान उसे व्यक्तिगत और पेशेवर चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है।दूसरे सीजन की कहानी में दर्शकों ने देखा था कि जय सिंह राठौड़ रिहैब से बाहर आने के बाद महज 24 घंटों के भीतर एक घातक वायरस फैलाने की साजिश को नाकाम करने में जुट जाता है। इस सीजन में उनके साथ साक्षी तंवर और सुरवीन चावला जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।अब तीसरे सीजन को लेकर जो जानकारी सामने आ रही है, उसके मुताबिक इसकी कहानी भी उसी रोमांचक और समय-सीमित प्रारूप पर आधारित होगी, जिसमें एक बार फिर जय सिंह राठौड़ देश को किसी बड़े खतरे से बचाने की कोशिश करता दिखाई देगा। हालांकि, अभी तक सीजन 3 की पूरी स्टारकास्ट और रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।अनिल कपूर के इस ऐलान के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि शो के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है और जल्द ही इससे जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आ सकती हैं। दर्शकों के बीच '24' की लोकप्रियता को देखते हुए इसके तीसरे सीजन से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

सिलेंडर गायब, उपलों का सहारा!

लखनऊ यूनिवर्सिटी गेट पर छात्रों का हंगामा

लखनऊ विश्वविद्यालय गेट पर समाजवादी छात्र सभा ने गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया। उपले और लकड़ी बांटकर विरोध जताया गया। पुलिस से झड़प के बाद प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। छात्रों ने सरकार पर आम जनता की अनदेखी का आरोप लगाया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रतीकात्मक रूप से लकड़ी और उपले बांटकर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी देखने को मिली।समाजवादी छात्र सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और कमी के कारण आम जनता, खासकर छात्र, गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता "उपले ले लो, उपले ले लो" के नारे लगाते रहे और इसे सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। प्रदर्शन कर रहे छात्र सभा सदस्य प्रिंस मौर्या ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को न तो आम जनता की चिंता है और न ही छोटे व्यापारियों की। उन्होंने कहा कि "अच्छे दिनों" के नाम पर जनता को गुमराह किया गया है, जबकि आज हालात ऐसे हैं कि लोगों को वैकल्पिक ईंधन का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि छात्र सभा द्वारा निशुल्क लकड़ी और उपले बांटकर लोगों को राहत देने की कोशिश की जा रही है। प्रिंस मौर्या ने यह भी कहा कि गैस की कमी से सबसे अधिक परेशानी छात्रों को हो रही है, विशेषकर वे छात्र जो हॉस्टल या किराए के कमरों में रहते हैं। उनके सामने खाना बनाने के लिए ईंधन जुटाना बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं और घरों से लेकर होटलों तक हर जगह सिलेंडर की किल्लत है।प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि बड़े धार्मिक स्थलों पर चलने वाली मुफ्त रसोई सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उपले बांटने से रोका और उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को बलपूर्वक वाहनों में बैठाकर ईको गार्डन भेज दिया। साथ ही मौके पर मौजूद उपलों को भी जब्त कर लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता करने और उनके साथ जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शांतिपूर्ण विरोध के बावजूद पुलिस ने सख्ती बरती। फिलहाल, इस घटना के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य है, लेकिन सिलेंडर संकट को लेकर छात्रों और आम जनता में असंतोष बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में बदला मौसम का मिजाज, कई जिलों में बारिश और ठंडी हवाएं

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ। मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। उत्तरी पंजाब पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और दक्षिणी हरियाणा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छा गए हैं और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई है। बीती रात से राज्य के उत्तरी तराई और मध्यवर्ती जिलों में गरज-चमक के साथ रुक-रुक कर बूंदाबांदी हो रही है, जिससे तापमान में हल्की गिरावट आई है।मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में तेज और ठंडी हवाएं चलीं, जिससे लोगों को बढ़ती गर्मी से राहत मिली है। कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश भी रिकॉर्ड की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है।हालांकि यह राहत अधिक समय तक रहने वाली नहीं है। विभाग का कहना है कि 17 और 18 मार्च को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। इन दिनों आसमान साफ रहने की संभावना है, जिसके कारण दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है और दिन में गर्मी महसूस हो सकती है। वहीं, सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक बनी रहेगी।मौसम विभाग ने आगे चेतावनी दी है कि 19 मार्च से एक और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत को प्रभावित करेगा। इसके प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है, जो 21 मार्च तक प्रदेश के कई हिस्सों में फैल सकता है। इस दौरान तापमान में फिर से गिरावट दर्ज की जा सकती है।विभाग के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, बिजनौर, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ सहित कई जिलों में मेघ गर्जन, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है।

लखनऊ में कुलदीप यादव का ग्रैंड रिसेप्शन

52 डिशेज और लाइव कुकिंग स्टेशन से होगा मेहमानों का स्वागत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव और उनकी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के विवाह उपलक्ष्य में मंगलवार को लखनऊ में भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जा रहा है। यह ग्रैंड रिसेप्शन द सेंट्रम होटल में आयोजित होगा, जहां मेहमानों के लिए शानदार आतिथ्य और विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस कार्यक्रम में मेहमानों के लिए कुल 52 प्रकार के व्यंजनों की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही लाइव कुकिंग स्टेशन भी लगाए गए हैं, जो इस रिसेप्शन की खास आकर्षणों में से एक होंगे। लाइव कुकिंग का मतलब यह है कि खाना मेहमानों के सामने उसी समय तैयार किया जाता है। इसमें शेफ खुले काउंटर या स्टॉल पर खड़े होकर ताजा भोजन बनाते हैं, जिससे लोग सीधे तौर पर खाना बनते हुए देख सकते हैं।लाइव कुकिंग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि मेहमानों को पूरी तरह ताजा और गरमा-गरम भोजन मिलता है। इसके अलावा वे अपनी पसंद के अनुसार मसालों या अन्य सामग्री में बदलाव भी करवा सकते हैं। इस व्यवस्था से मेहमान यह भी देख सकते हैं कि भोजन में कौन-कौन से इनग्रेडिएंट इस्तेमाल किए जा रहे हैं और उसे किस तरह तैयार किया जा रहा है। लखनऊ के आईटीसी फॉर्च्यून होटल के हेड शेफ रमेश खन्नी के अनुसार, पहले लाइव कुकिंग का चलन काफी कम था, लेकिन अब टीवी और बड़े शहरों में इसकी लोकप्रियता बढ़ने के बाद शादी, पार्टी और बड़े आयोजनों में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है।परिवार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुलदीप यादव और वंशिका सिंह के रिसेप्शन के लिए होटल को पूरे दिन के लिए लगभग 26 लाख रुपये में बुक किया गया है। कार्यक्रम स्थल को शाही महल का रूप देने के लिए फूलों,

लाइट्स और स्टेज की सजावट पर करीब 7 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस तरह भोजन, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं को मिलाकर कुल खर्च 33 लाख रुपये से अधिक बताया जा रहा है। मेहमानों की शानदार मेहमाननवाजी के लिए होटल का 'प्लेटिनम मिक्स डिनर' पैकेज चुना गया है, जो होटल का सबसे भव्य पैकेज माना जाता है। इस पैकेज में प्रति प्लेट कीमत लगभग 5000 रुपये (टैक्स अतिरिक्त) है। इसमें 8 वेलकम ड्रिंक्स, 2 लाइव कुकिंग स्टेशन, 1 वेज बिरयानी, 3 प्रीमियम आइसक्रीम समेत कुल 52 व्यंजन शामिल किए गए हैं। मेहमानों को हिमालयाज और वेदिका जैसे प्रीमियम ब्रांड की 200 मिलीलीटर पानी की बोतलें भी परोसी जाएंगी। वहीं, रिश्तेदारों के लिए डीलक्स और प्रीमियम कमरे भी बुक किए गए हैं, जिनका किराया करीब 16 हजार रुपये है। बड़े सितारों और विशेष मेहमानों के लिए सेंट्रम विला भी आरक्षित किए गए हैं।

तेज रफ्तार और स्टंटबाजी बनी जानलेवा, 17 वर्षीय किशोर की मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी के गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। यूपीसीएल में तैनात एसडीओ गम इकबाल ने अपने इकलौते नाबालिग बेटे नैतिक कुमार की जिद के आगे झुकते हुए करीब साढ़े तीन लाख रुपये की बुलेट जीटी बाइक दिलाई थी, लेकिन यही बाइक उसके लिए काल साबित हुई।पुलिस के अनुसार, 17 वर्षीय नैतिक रविवार सुबह बाइक लेकर जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचा था। वहां कुछ लोग स्टंट के वीडियो बना रहे थे। यह देखकर नैतिक के मन में भी स्टंट करने का विचार आया और उसने बाइक की रफ्तार अचानक बढ़ा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक की गति करीब 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। तेज रफ्तार के कारण वह नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही एक स्कूटी से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि नैतिक कई फीट दूर जाकर सड़क पर गिरा और घिसटता चला गया। बाइक के परखच्चे उड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। गंभीर रूप से घायल नैतिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच में यह भी सामने आया कि वह बिना हेलमेट के बाइक चला रहा था। पुलिस के अनुसार, हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और स्टंटबाजी है।घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का कहना है कि जिस बेटे की हर जिद पूरी करना खुशी देता था, वही जिद अब जीवनभर का पछतावा बन गई है। घर में मातम पसरा हुआ है।यह मामला मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी महत्वपूर्ण है। नियमों के अनुसार, नाबालिग को वाहन चलाने की अनुमति देने पर अभिभावकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। हादसे के बाद पुलिस ने सड़क सुरक्षा अभियान चलाया, जिसमें सात बाइक सीज और 59 वाहनों का चालान किया गया।

एयर इंडिया फ्लाइट में जज को परोसे भोजन में फंगस,

विरोध पर कर्मियों पर दुर्व्यवहार का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में सोमवार देर रात दिल्ली से आई एयर इंडिया की एक फ्लाइट में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक न्यायाधीश को परोसे गए भोजन में फंगस (सड़ा हुआ) पाया गया। इस पर आपत्ति जताने के बाद एयरलाइन कर्मियों के कथित दुर्व्यवहार से मामला और बढ़ गया। पीड़ित पक्ष ने सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार सोमवार रात दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-1720) से यात्रा कर रहे थे। यह फ्लाइट रात 9:40 बजे लखनऊ पहुंची। न्यायमूर्ति की सीट संख्या 1A थी। यात्रा के दौरान उन्हें जो भोजन परोसा गया, उसमें फंगस लगा हुआ था। भोजन की स्थिति देखकर उन्होंने तुरंत आपत्ति जताई।आरोप है कि शिकायत करने पर केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति ने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इतना ही नहीं, एयर इंडिया के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफियान पर भी दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित कर्मचारी ने दूषित भोजन को फ्लाइट से बाहर ले जाने से भी रोक दिया, जिससे मामले को लेकर विवाद और गहरा गया।न्यायमूर्ति के साथ यात्रा कर रहे सुमित गुप्ता ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर लापरवाही बताते हुए सरोजनी नगर थाने में एयरलाइन कर्मियों के खिलाफ तहरीर दी है।

लोहिया अस्पताल में मरीज की मौत पर बवाल तीमारदारों और स्टाफ में मारपीट

लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में मंगलवार सुबह एक मरीज की मौत के बाद तीमारदारों और अस्पताल स्टाफ के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन तीमारदारों को हिरासत में ले लिया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ विभूति खंड थाना में शिकायत दर्ज कराई है।जानकारी के अनुसार, बाराबंकी जिले के ग्राम हांसेमऊ, पोस्ट असेनी, थाना सतरिख निवासी 45 वर्षीय लाल बहादुर को सोमवार रात करीब 1 बजे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनकी पत्नी बबिता का कहना है कि स्टाफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और धक्का देकर बेंच पर गिरा दिया, जिससे उनके पेट में चोट लग गई और आंतरिक रक्तस्राव होने लगा। वहीं, मृतक के साले प्रदीप ने बताया कि लाल बहादुर पेशे से बुलेट मोटरसाइकिल के मैकेनिक थे और गुडंबा क्षेत्र में रहते थे। प्रदीप के अनुसार, सोमवार रात उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया, लेकिन उपचार के बाद भी हालत में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने उन्हें इंजेक्शन दिया और वेंटिलेटर पर रखने की बात कही, लेकिन समय पर उचित इलाज नहीं किया गया। मंगलवार सुबह हालत बिगड़ने पर उन्हें बेहोशी का इंजेक्शन दिया गया, जिसके बाद उनकी स्थिति और गंभीर हो गई और वे अचेत हो गए।परिजनों का कहना है कि जब उन्होंने विरोध किया और रोने-बिलखने लगे, तो अस्पताल के स्टाफ और गार्डों ने उन्हें बाहर धक्का देकर निकाल दिया। इसके बाद तीमारदारों और स्टाफ के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट की नौबत आ गई।वहीं, अस्पताल प्रशासन ने तीमारदारों पर मारपीट और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित

किया और तीन लोगों को हिरासत में ले लिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दी गई है, लेकिन अब तक किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है।

गंगाघाट नगर पालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज

लोकायुक्त के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम ने खंगाले रिकॉर्ड

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले की गंगाघाट नगर पालिका परिषद में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर जांच प्रक्रिया तेज हो गई है। लोकायुक्त के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय जांच टीम मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय पहुंची और विभिन्न अभिलेखों की गहन पड़ताल की। इस कार्रवाई से नगर पालिका में हड़कंप मच गया और पूरे दिन गहमागहमी का माहौल बना रहा।यह जांच शिकायतकर्ता राजेंद्र गुप्ता द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर शुरू की गई है। उन्होंने नगर पालिका में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्ति में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया था। शिकायत में यह भी कहा गया कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अपने सगे-संबंधियों को लाभ पहुंचाने के लिए नियुक्तियों में पक्षपात किया। इसके अलावा, भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और सरकारी धन के संभावित दुरुपयोग की आशंका भी जताई गई थी।इन गंभीर आरोपों का संज्ञान लेते हुए लोकायुक्त कार्यालय ने जांच के आदेश दिए, जिसके बाद हरदोई से एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में हरदोई के जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) कमलेश कुमार, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार पाल और वरिष्ठ कोषाधिकारी को शामिल किया गया। टीम को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंगलवार को टीम ने गंगाघाट नगर पालिका पहुंचकर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक दस्तावेज मांगे। जांच के दौरान आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया, भुगतान रजिस्टर, उपस्थिति रजिस्टर और अन्य वित्तीय अभिलेखों की विस्तार से जांच की गई। टीम ने यह भी देखा कि नियुक्तियों में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया या नहीं।इसके साथ ही जांच टीम ने नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ भी की। सूत्रों के अनुसार, टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं नियुक्तियों में किसी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात तो नहीं हुआ। साथ ही भुगतान प्रक्रिया में किसी तरह की गड़बड़ी या वित्तीय अनियमितता की भी जांच की जा रही है।जांच के दौरान नगर पालिका परिसर में हलचल तेज रही। अधिकारी और कर्मचारी दस्तावेज जुटाने और टीम के सामने प्रस्तुत करने में व्यस्त दिखे। कई कर्मचारी पूरे दिन रिकॉर्ड उपलब्ध कराने में लगे रहे, जबकि कुछ अधिकारियों से अलग-अलग बिंदुओं पर विस्तृत पूछताछ की गई। इस पूरे मामले पर स्थानीय लोगों की भी नजर बनी हुई है। क्षेत्र के नागरिक इस जांच से पारदर्शिता और जवाबदेही की उम्मीद कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लग सके। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट लोकायुक्त को सौंपी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल, इस जांच ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं और आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

चार साल में विकास कार्यों से बदली तस्वीर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले की बांगरमऊ विधानसभा सीट से विधायक श्रीकांत कटियार ने अपने चार साल के कार्यकाल को विकास कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में क्षेत्र में कई ऐसे कार्य हुए हैं, जिनसे आम जनता को सीधा लाभ मिला है।विधायक ने विशेष रूप से गंगा कटरी क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां लंबे समय से कटान की समस्या बनी हुई थी, जिससे किसानों और ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए गए, जिससे कटान पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है और लोगों को राहत मिली है।इसके अलावा, उन्होंने सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्यों को भी अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण कराया गया है, जिससे आवागमन सुगम हुआ है और ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। इन विकास कार्यों का सीधा असर लोगों के जीवन स्तर पर पड़ा है।विधायक श्रीकांत कटियार ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए अन्य विकास कार्यों का भी जिक्र किया और कहा कि कुछ परियोजनाएं अभी अधूरी हैं, जिन्हें जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा।आगामी चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जनता के बीच किए गए कार्यों के आधार पर वे एक बार फिर समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र की जनता विकास को ध्यान में रखते हुए उन्हें फिर से मौका

उन्नाव में बकाया भुगतान को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के बीघापुर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस हिंसक झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी पंकज पुत्र रामचंद्र ने बीघापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पंकज का आरोप है कि उनके परिवार की जमीन पर यूकेलिप्टस के पेड़ों की एक बाग है, जिसका मामला इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि विवादित भूमि को लेकर पहले से ही दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी।पंकज के अनुसार, विपक्षी पक्ष के केशन ने विवादित भूमि पर खड़ी यूकेलिप्टस की बाग को चोरी-छिपे बेच दिया। जब इस बात की जानकारी उन्हें और उनके परिवार के लोगों को हुई, तो उन्होंने इसका विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झगड़े के दौरान दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में शिवम नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा एक महिला समेत कई अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बीघापुर स्थित सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। शिवम की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अन्य घायलों का भी उपचार जारी है। इस मामले में बीघापुर थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि पंकज की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस दोनों पक्षों के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही वायरल वीडियो और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आपसी विवादों को कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास करें।

उन्नाव में गौवंश संरक्षण पर सख्ती लापरवाही पर बीडीओ के वेतन रोके गए

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गौवंश संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें गौशालाओं की व्यवस्थाओं और निराश्रित गोवंश की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और नवाबगंज विकासखंड को छोड़कर अन्य सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी ली। इस दौरान पाया गया कि राष्ट्रीय राजमार्गों और अन्य सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को समय पर गौशालाओं में नहीं पहुंचाया गया। इसके अलावा, मृत पशुओं की पंजिका अपडेट न होने और गौवंश संरक्षण को लेकर खंड विकास अधिकारियों व उपजिलाधिकारियों की संयुक्त बैठकें नियमित रूप से न होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई।विकासखंड औरास से गौशालाओं की खराब व्यवस्थाओं को लेकर सर्वाधिक शिकायतें मिलने पर जिलाधिकारी ने विशेष तौर पर फटकार लगाई। उन्होंने औरास के बीडीओ को चेतावनी देते हुए दो माह के भीतर व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा में सुधार न होने पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।बैठक में पशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए भूसा, हरा चारा, खली और चोकर जैसे पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। इस संबंध में एक प्रस्तुतीकरण भी दिया गया, जिसे सभी विकासखंडों में लागू करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मक्का, ज्वार और नेपियर घास की बुवाई हेतु भूमि चिन्हित कर तीन दिनों के भीतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा।इसके अलावा, गौशालाओं में आने वाले नए पशुओं की अनिवार्य टैगिंग सुनिश्चित करने और गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त पानी, छाया व ठहरने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि गौवंश संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ससुराल से लौटे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नसिरापुर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक कुछ दिन पहले अपनी ससुराल गया था, जहां उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। घर लौटने के बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और अंततः उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नसिरापुर निवासी रूपन का बेटा मनोज उर्फ लालू शनिवार को अपनी ससुराल, जो कि कोतवाली क्षेत्र के ही गांव पलिया में स्थित है, गया हुआ था। बताया जा रहा है कि उसकी हालत बिगड़ने के बाद भी उसे स्थानीय स्तर पर ही संभाला गया।रविवार को मनोज अपने घर वापस लौट आया, लेकिन उसकी तबीयत सामान्य नहीं हो सकी। सोमवार दोपहर अचानक उसकी हालत फिर से गंभीर हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि उसने घर पर ही दम तोड़ दिया। युवक की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के लोग भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच गए और परिजनों को ढांढस बंधाने का प्रयास किया।मृतक के पिता रूपन ने बेटे की मौत को संदिग्ध बताते हुए कोतवाली में तहरीर दी है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पोस्टमार्टम कराए जाने की भी अपील की है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

उन्नाव में पेड़ से लटककर व्यक्ति ने दी जान, बेटी की शादी से पहले घर में पसरा मातम

उन्नाव जिले के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के भूटिया परस रामपुर गांव में मंगलवार को एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान 55 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो गांव के ही निवासी थे। वह मजदूरी और खेती-किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। मंगलवार सुबह उनका शव घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक बाग में आम के पेड़ से लटका हुआ पाया गया।बताया जा रहा है कि सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तभी उनकी नजर पेड़ से लटकते शव पर पड़ी। यह दृश्य देख गांव में हड़कंप मच गया और तत्काल परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। परिजनों के अनुसार, धर्मेंद्र कुमार के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। उनकी बेटी पूनम की शादी आगामी 25 अप्रैल को तय थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में इस दुखद घटना ने खुशियों को मातम में बदल दिया है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। परिजन इस घटना से गहरे सदमे में हैं और आत्महत्या के कारणों को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों ने धर्मेंद्र कुमार को मेहनती और शांत स्वभाव का व्यक्ति बताया है। प्रारंभिक तौर पर आर्थिक या पारिवारिक तनाव की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

तीन दिवसीय दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, तैयारियां तेज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19–21 मार्च तक मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन दौरे पर रहेंगी। प्राजक्ता त्रिपाठी तैयारियों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। प्रेम मंदिर, इस्कॉन दर्शन और गोवर्धन परिक्रमा कार्यक्रम होंगे, जबकि प्रशासन सुरक्षा व व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन दिवसीय दौरे पर 19 से 21 मार्च तक मथुरा जनपद के वृंदावन और गोवर्धन में रहेंगी। राष्ट्रपति के इस महत्वपूर्ण दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। अधिकारियों द्वारा सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए दिन-रात तैयारियां की जा रही हैं।दौरे के दौरान राष्ट्रपति वृंदावन स्थित प्रसिद्ध प्रेम मंदिर और इस्कॉन मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। इसके अलावा वह कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भी भाग लेंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर स्थानीय लोगों और प्रशासन में उत्साह का माहौल है। खासतौर पर गोवर्धन में उनका यह पहला दौरा होने के कारण तैयारियों को और अधिक प्राथमिकता दी जा रही है।गोवर्धन में राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की जिम्मेदारी एसडीएम प्राजक्ता त्रिपाठी को सौंपी गई है। वह पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही हैं। प्राजक्ता त्रिपाठी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के सेलखा गांव की रहने वाली हैं। उनका परिवार वर्तमान में प्रयागराज में निवास करता है। उनके पिता सुरेश चंद्र त्रिपाठी केंद्रीय विद्यालय अरुणाचल प्रदेश से सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। प्राजक्ता त्रिपाठी ने वर्ष 2022 में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में आठवीं रैंक हासिल कर प्रशासनिक सेवा में अपनी जगह बनाई। इससे पहले वर्ष 2016 में उनका चयन इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) में हुआ था, जहां उन्होंने दिल्ली में सेवा दी। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और दूसरे प्रयास में पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया। उनकी कार्यशैली और समर्पण के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान 21 मार्च को वह गोवर्धन स्थित गिर्राज महाराज की परिक्रमा भी करेंगी। इसको लेकर प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। परिक्रमा मार्ग को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसडीएम प्राजक्ता त्रिपाठी स्वयं मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही हैं और अतिक्रमण हटाने का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। इसके अलावा, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि राष्ट्रपति का यह दौरा पूरी तरह सफल और सुचारू रूप से संपन्न हो। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं, ताकि हर व्यवस्था समय से पहले पूरी कर ली जाए और किसी भी प्रकार की चूक न हो।

प्रतापगढ़ में मां-बेटे की निर्मम हत्या, क्षेत्र में सनसनी

टीवी भारतवर्ष प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ जिले के पारा हमीदपुर गांव में रविवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घर में सो रही मां और बेटे की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। दोनों के शव निर्माणाधीन मकान में अलग-अलग चारपाई पर पाए गए। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।मृतका की पहचान शिवपत्ती मौर्या (45) और उनके 12 वर्षीय बेटे औरभ के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शिवपत्ती के पति दिनेश मौर्या मुंबई में निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं। वह घर से दूर खेत में बने मकान में अपने छोटे बेटे के साथ रहती थीं, जबकि उनकी तीन बेटियां—वंशिका (20), रितिका (19) और अर्पिता (16)—शहर के विवेक नगर में किराये के मकान में रहती हैं। वंशिका और रितिका बाबागंज स्थित एक शॉपिंग मॉल में काम करती हैं, जबकि अर्पिता कंप्यूटर की पढ़ाई कर रही है। घटना की जानकारी सोमवार सुबह उस समय हुई जब निर्माणाधीन मकान में शटरिंग का काम करने पहुंचे मिस्त्री राम सिंह सरोज ने आवाज लगाने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर अंदर जाकर देखा। वहां दोनों के शव अलग-अलग चारपाई पर पड़े मिले। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अभिषेक सिरोही मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। प्रयागराज जोन के आईजी अजय मिश्रा और एसपी दीपक भूकर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है, जबकि फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंचीं तीनों बेटियों ने पड़ोसी राजकुमार मौर्या पर जमीन विवाद को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही खुलासा करने का दावा किया है।

परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिले वरुण गांधी, बताया सौभाग्यपूर्ण क्षण

टीवी भारतवर्ष पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से पूर्व सांसद और भारतीय जनता पार्टी के नेता वरुण गांधी ने मंगलवार को अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस भेंट को उन्होंने अपने जीवन का एक विशेष और सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया।मुलाकात के बाद वरुण गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि उन्हें अपने परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलने, उनका आशीर्वाद प्राप्त करने और मार्गदर्शन पाने का अवसर मिला, जो उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके आभामंडल में एक पिता समान स्नेह और संरक्षण का भाव झलकता है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात उनके इस विश्वास को और मजबूत करती है कि प्रधानमंत्री देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं।गौरतलब है कि वरुण गांधी देश के चर्चित नेहरू-गांधी परिवार से संबंध रखते हैं। वह वरिष्ठ भाजपा नेता मेनका गांधी और दिवंगत संजय गांधी के पुत्र हैं। संजय गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे बेटे थे। राजनीतिक विरासत से जुड़े होने के बावजूद वरुण गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के भीतर अपनी अलग पहचान बनाई है। राजनीतिक जीवन की बात करें तो वरुण गांधी उत्तर प्रदेश की पीलीभीत लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रह चुके हैं। पार्टी संगठन में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है और वे समय-समय पर विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखते रहे हैं। प्रधानमंत्री के साथ उनकी यह मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जल्द शुरू होंगी उड़ानें, क्षेत्र में खुशी की लहर

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से एक राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से बंद पड़ी उड़ान सेवाओं के बाद अब कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से जल्द ही नियमित उड़ानों के संचालन की उम्मीद जताई जा रही है। इस संबंध में राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिससे क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है।आरपीएन सिंह के अनुसार, कुशीनगर एयरपोर्ट से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार की उड़ानें जल्द शुरू की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को उन्होंने राज्यसभा में प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद संबंधित विभागों ने इस दिशा में तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। उनके इस बयान के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारिक समुदाय में उम्मीदें बढ़ गई हैं कि जल्द ही यह एयरपोर्ट पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। गौरतलब है कि 20 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का भव्य उद्घाटन किया था। उद्घाटन के समय इसे पूर्वांचल के विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा गया था। हालांकि, तकनीकी कारणों और कुछ व्यवस्थागत चुनौतियों के चलते यहां से नियमित उड़ान सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं, जिससे लोगों को निराशा का सामना करना पड़ा। कुशीनगर एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी रनवे है, जो इसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख हवाई अड्डों में शामिल करती है। यह राज्य का दूसरा सबसे बड़ा रनवे वाला एयरपोर्ट माना जाता है, जिससे बड़े विमानों के संचालन की सुविधा भी उपलब्ध है। ऐसे में यहां से उड़ानें शुरू होने पर न केवल कुशीनगर, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र को इसका सीधा लाभ मिलेगा। एयरपोर्ट के चालू होने से पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।